समय से परे परमेश्वर की शक्ति

विश्वासियों के रूप में हमें एक महान और अद्भुत सत्य को समझना चाहिए: परमेश्वर समय से बंधा नहीं है। उसकी शक्ति मानवीय समय की सीमाओं से परे और बाहर कार्य करती है। जब हम कहते हैं कि परमेश्वर “समय से परे” कार्य करता है, तो हम अक्सर उसकी उपस्थिति की कल्पना करते हैं उन परिस्थितियों में जहाँ समय समाप्त हो चुका होता है और आशा खो चुकी होती है। परन्तु हमें यह भी समझना चाहिए कि परमेश्वर समय से पहले भी कार्य कर सकता है, ऐसे तरीकों से जो प्राकृतिक अपेक्षाओं को उलट देते हैं।

1. परमेश्वर समय के बीत जाने के बाद भी कार्य करता है

एलीशिबा और सारा का उदाहरण

लूका 1:36 में स्वर्गदूत मरियम से कहता है:

“और देख, तेरी कुटुम्बिन एलीशिबा ने भी अपने बुढ़ापे में पुत्र-
गर्भ धारण किया है, और जिसे बांझ कहा जाता था, वह अब छठे महीने में है।”
(लूका 1:36)

एलीशिबा, ठीक वैसे ही जैसे पुराना नियम में सारा, तब गर्भवती हुई जब यह

शारीरिक रूप से असंभव था। उत्पत्ति 18:11 में सारा के बारे में लिखा है:

“अब्राहम और सारा बूढ़े हो चुके थे, और सारा के मासिक धर्म की रीति समाप्त हो गई थी।”
(उत्पत्ति 18:11)

इन दोनों घटनाओं में, परमेश्वर ने तब कार्य किया जब मानवीय सोच के अनुसार बहुत देर हो चुकी थी। यह एक दिव्य स्मरण है कि हमारे जीवन की देरी, परमेश्वर की प्रतिज्ञाओं को पूरा करने की क्षमता को बाधित नहीं करती।

2. परमेश्वर समय से पहले भी कार्य करता है

मरियम का अद्भुत गर्भधारण

इसी कथा में, हम विपरीत उदाहरण देखते हैं। मरियम गर्भवती हुई बिना किसी मानवीय प्रक्रिया के आरंभ हुए। लूका 1:34-35 में लिखा है:

“मरियम ने स्वर्गदूत से कहा, ‘यह कैसे होगा, क्योंकि मैं तो पुरुष

को नहीं जानती?’
स्वर्गदूत ने उत्तर दिया, ‘पवित्र आत्मा तुझ पर उतरेगा, और परमप्रधान की सामर्थ्य तुझ पर छाया करेगी; इसलिए जो उत्पन्न होगा
वह पवित्र और परमेश्वर का पुत्र कहलाएगा।'”
(लूका 1:34-35)

मरियम का गर्भधारण केवल एक चमत्कार नहीं था, बल्कि यह भविष्यवाणी की पूर्ति थी जो प्राकृतिक समय के पहले घटित हुई। यह दिखाता है कि परमेश्वर केवल खोए हुए समय का पुनर्स्थापन करने वाला नहीं है, बल्कि एक ऐसा परमेश्वर है जो समय से पहले आशीषें भी ला सकता है।

3. समय की दो धाराओं के बीच जीना

आपकी आत्मिक यात्रा में आप दोनों प्रकार के समयों को अनुभव कर सकते हैं:

देरी से आने वाले उत्तर, जो बहुत प्रतीक्षा और परीक्षा के बाद आते हैं।
त्वरित आशीषें, जो बिना किसी चेतावनी के अचानक आ जाती हैं।

सभोपदेशक 3:1 हमें स्मरण दिलाता है:

“हर बात का एक अवसर और आकाश के नीचे हर काम का एक समय होता है।”

(सभोपदेशक 3:1)

लेकिन परमेश्वर, जिसने समय को बनाया है, उसी से बंधा नहीं है। वह “कैरोस” क्षणों में हस्तक्षेप करता है – ऐसे परम-नियत समय जो “क्रोनोस” (प्राकृतिक समय) को पार कर जाते हैं।

4. परमेश्वर के अगम्य मार्गों पर विश्वास करना

विलंब के समय में, हम परमेश्वर के समय पर प्रश्न उठा सकते हैं।
अचानक प्राप्त आशीषों के समय में, हम स्वयं को अयोग्य या अप्रस्तुत महसूस कर सकते हैं।
फिर भी दोनों ही दशाओं में परमेश्वर की बुद्धि पूर्ण और सिद्ध रहती है।

रोमियों 11:33 में लिखा है:

“हाय, परमेश्वर के ज्ञान और बुद्धि की गहराई! उसके निर्णय कैसे अगम्य, और उसके मार्ग कैसे खोज से बाहर हैं!”
(रोमियों 11:33)

अय्यूब 22:21 में लिखा है:

“तू परमेश्वर से मेल कर और उसकी शान्ति मान, इस से तुझे लाभ ही लाभ होगा।”
(अय्यूब 22:21)

जब तुम परमेश्वर पर अपने स्वयं के समय-बोध से परे भरोसा रखते हो, तो शांति और उसकी भलाई तुम्हारे पीछे आती है।

Share on:
WhatsApp